डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 18 मूल्य: 5 रुपए पृष्ठ : 4 R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

शिखर दृष्टि जीवन की...

साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या RAJHIN16831/20/01/2013-TC

जयपुर, गुरुवार, 28 अक्टूबर, 2021

hillviewsamachar@gmail.com

एक नज़र

राजस्थान का मंत्री पद छोड़ेंगे हरीश चौधरी बोले... पंजाब चुनाव तक मेरे पास टाइम नहीं, एक व्यक्ति के पास एक ही पद होना चाहिए

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी बनने के बाद हरीश चौधरी अब हाईकमान से मिलकर मंत्री पद छोड़ने की पेशकश करेंगे। हरीश चौधरी ने पंजाब प्रभारी बनते ही एक व्यक्ति एक पद की पैरवी करते हुए मंत्री पद छोड़ने के संकेत दिए थे। कल दिल्ली में राज्यों के कांग्रेस प्रभारियों और प्रदेशाध्यक्षों की बैठक है। बैठक के बाद चौधरी सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मिलकर मंत्री पद छोड़ने की पेशकश कर सकते हैं।

हरीश चौधरी ने भास्कर से कहा- मैं पंजाब का फुल टाइम प्रभारी हूं। इस वक्त अभी मेरा पूरा फोकस पंजाब विधानसभा चुनाव पर है। जनवरी तक मेरे पास पंजाब के अलावा दूसरे काम के लिए एक मिनट का भी टाइम नहीं है। हाईकमान ने मुझे पंजाब प्रभारी की जिम्मेदारी दी है, वह फुल टाइम काम है।

एक व्यक्ति के पास एक ही पद होना चाहिए: हरीश चौधरी ने कहा- एक व्यक्ति के पास एक ही पद होना चाहिए। यह बात मैं पहले भी कह चुका हूं और आज भी दोहरा रहा हूं। यह बात मैंने खुद के संदर्भ में कही है, क्योंकि मेरा ऐसा मानना है कि इसे किसी दूसरे व्यक्ति या नेता के संदर्भ में लागू करने से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

दो पदों वाले नेताओं पर दबाव बढ़ेगा: गहलोत सरकार में तीन मंत्रियों के पास फिलहाल सत्ता और संगठन दोनों में पद हैं। हरीश चौधरी इस्तीफे की पेशकश कर चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा के पास गुजरात प्रभारी की जिम्मेदारी है, तो शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा के पास कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष का पद है।

हेमाराम चौधरी की दावेदारी होगी मजबूत: हरीश चौधरी के मंत्री पद छोड़ने से बाड़मेर से एक कैबिनेट मंत्री की जगह खाली हो जाएगी। बाड़मेर से हेमाराम चौधरी मंत्री पद की दावेदार हैं। मई में नाराज होकर हेमाराम चौधरी ने विधानसभा स्पीकर को इस्तीफा भेज दिया था। उस वक्त हेमाराम को मनाया गया था। अब हरीश चौधरी के मंत्री पद छोड़ने से हेमाराम चौधरी की मंत्री पद पर दावेदारी मजबूत हो जाएगी।

गांधीवादी विचारक एसएन सुब्बाराव का निधन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। देश के जाने माने गांधीवादी विचारक डॉ. एसएन सुब्बाराव का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बुधवार सुबह उन्होंने जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अंतिम सांस ली। सुब्बाराव को पिछले सप्ताह ही एसएमएस में भर्ती करवाया गया था। मंगलवार शाम उन्हें हार्ट अटैक आया था। बुधवार सुबह उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के जौरा में स्थित गांधी आश्रम में किया जाएगा। डॉ. सुब्बाराव की उनकी पार्थिव देह को विनोबा ज्ञान मंदिर में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेताओं ने विनोबा ज्ञान मंदिर पहुंचकर डॉ. सुब्बाराव को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कल उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने जौरा जाएंगे। गहलोत ने कल शाम

को एसएमएस पुहंचकर डॉक्टरों से सुब्बाराव के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी।

गहलोत ने सुब्बाराव से किया था जयपुर में आश्रम बनाकर रहने का आग्रह: जून 2019 में सुब्बाराव ने जयपुर के पास दिल्ली रोड के भानपुर गांव में कैंप लगाया था। गहलोत ने सुब्बाराव से जयपुर में आश्रम बनाकर रहने का आग्रह किया था। सुब्बाराव बीच में कई बार जयपुर आते रहते थे।

13 साल की उम्र में भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल हुए थे: एसएन सुब्बाराव का जन्म 7 फरवरी 1929 को बेंगलुरु में हुआ था। वे बचपन से ही महात्मा गांधी से प्रभावित थे। 13 साल की उम्र में भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लिया। सुब्बाराव जीवन भर गांधीवादी मूल्यों के प्रचार में लगे रहे। वे देश-विदेश भर में कैंप लगाकर युवाओं को गांधीवाद और अहिंसा के बारे में बताते थे। उन्हें 18 भाषाओं का ज्ञान था।

मुरैना और धौलपुर में चंबल के डकैतों को सरेंडर करवाकर चर्चा में आए थे: डॉ. एसएन सुब्बाराव ने चंबल के 600 से ज्यादा डाकुओं से सरेंडर करवाया था। 1972 में मुरैना के जौरा गांधी आश्रम में जयप्रकाश नारायण की मौजूदगी में 450 डकैतों से सरेंडर करवाया था। इसी दौरान धौलपुर में भी 100 से ज्यादा डकैतों ने सरेंडर किया था। चंबल के डकैतों से सामूहिक सरेंउर करवाकर सुब्बाराव देश भर में चर्चा में आए थे।

गहलोत बोले- सुब्बाराव के देहांत से मुझे व्यक्तिगत नुकसान: मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सुब्बाराव के निधन पर गहरा शोक जताया है। सीएम गहलोत ने कहा कि सुब्बाराव जी के निधन से मुझे व्यक्तिगत रूप से बेहद आघात पहुंचा है।

ख़बर-बेख़बर

आरएएस से आईएएस पदोन्नत पवन अरोड़ा लगातार राजधानी के मलाईदार पदों पर क्यों

?

■ आरएएस से पदोन्नत होकर आईएएस तक का सफर तय करने वाले राजस्थान आवासन मंडल के आयुक्त पवन अरोड़ा लगातार कई सालों से राज्य की राजधानी के मलाईदार महकमों पर राज करते आ रहे हैं!

■ सरकार की आँखों का तारा बने पवन अरोड़ा में ऐसी क्या ख़ास कार्यशैली या क्षमता है जो उन्हें निरन्तर जयपुर शहर में ही बनाये हुए है ?

जयपुर राजधानी में 1989 से 2021 आज तक का सफरनामा

- आयुक्त, राजस्थान आवासन मंडल
- निदेशक, स्थानीय निकाय
- सचिव, जयपुर विकास प्राधिकरण
- अतिरिक्त आयुक्त, परिवहन विभाग
- महाप्रबंधक, गंगानगर चीनी मिल, जयपुर
- कार्यकारी निदेशक, राजस्थान वित्त निगम
- उप आयुक्त, व्यावसायिक कर, जयपुर
- क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, जयपुर प्रथम
- जिला आबकारी अधिकारी, जयपुर
- जिला रसद अधिकारी, जयपुर
- आयुक्त(मुख्यालय), नगर निगम जयपुर
- अतिरिक्त कलेक्टर,स्टाम्पस जयपुर
- उप महाप्रबंधक,आर एस आर टी सी, जयपुर
- उपायुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण
- उप निदेशक, आई सी डी एस, जयपुर
- उप खंड अधिकारी, जयपुर
- उप खंड अधिकारी ,कोटपूतली (जयपुर)
- अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जयपुर
- विकास अधिकारी, पी एस बस्सी (जयपुर)
- अतिरिक्त जिलाधीश व कार्यकारी मजिस्ट्रेट(यूटी) , जयपुर
- प्रशिक्षण में एच सी एम रीपा , जयपुर

सेक्सुअल क्राइम से पीड़ित बच्चों के लिए स्पेशल रिलीफ

12 हजार देगी सरकार, राशन के लिए 3 महीने तक 1500 रुपए अलग से मिलेंगे

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री गहलोत ने सेक्सुअल क्राइम से पीड़ित बच्चों को स्पेशल रिलीफ देने का फैसला लिया है। ऐसे बच्चों को एकमुश्त 12 हजार रुपए और राशन के लिए 1500 रुपए हर महीने के हिसाब से तीन महीने के लिए देने की मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने सेक्सुअल क्राइम से पीड़ित बच्चों को बाल कल्याण समिति की सिफारिश पर स्पेशल रिलीफ देने का फैसला किया है। ने ऐसे पीड़ित बच्चों को तुरंत दिए जाने वाली स्पेशल रिलीफ का पेमेंट जिला बाल संरक्षण यूनिट के फंड से करने की सहमति दी है।

ऐसे बच्चों को मौजूदा जरूरतों जैसे- बर्तन वगैरह के लिए वन टाइम 12 हजार रुपए देने के साथ ही चावल, गेहूं, दाल, दलहन के लिए हर मेंबर के 1500 रुपए के हिसाब से 3 महीने की अवधि के लिए देने की मंजूरी दी गई है। यह विशेष सहायता उन्हीं बच्चों को दी जाएगी, जिन्हें इंस्टीट्यूशनल देखभाल की जरूरत नहीं है।

ड्राफ्ट तैयार होना बाकी: मुख्यमंत्री की ओर से फिलहाल इस स्पेशल रिलीज की घोषणा की गई है। हालांकि इसका पूरा ड्राफ्ट अभी तैयार होना बाकी है। जिसमें स्कीम की पूरी जानकारी शामिल रहेगी। सूत्रों ने बताया है कि इसमें लड़के और लड़कियां दोनों तरह के बच्चे शामिल किए गए हैं। जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के मुताबिक 18 साल से कम उम्र के सभी बच्चे इसमें शामिल होंगे। जिनके साथ किसी भी तरह का लैंगिक अपराध यानी कि सेक्सुअल क्राइम हुआ है। सूत्रों के मुताबिक इसमें ऐसे सभी तरह के बच्चों को शामिल किया गया है जिन्हें संस्थाओं में रहने की जरूरत नहीं है। यानी जिनकी देखभाल करने वाले परिजन मौजूद हैं। इनमें ज्यादातर ऐसे बच्चे शामिल होंगे जो परिवार के साथ फुटपाथ या झुग्गियों में गुजर-बसर करते हैं या मजदूरी करने के लिए दूसरे प्रदेश से राज्य में आ जाते हैं। जिनके साथ किसी तरह का सेक्सुअल क्राइम घटित हो जाता है।

2021-22 के बजट में की थी सड़कों के अपग्रेडेशन की घोषणा

गहलोत ने 2021-22 के राज्य बजट में विधायकों से मिले सड़कों के रिपेयर, अपग्रेडेशन, मजबूती और कंट्रक्शन से संबंधित प्रपोजल्स को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी जिलों में 7 हजार 257 किलोमीटर लंबाई की अन्य जिला सड़कों और ग्रामीण सड़कों को स्टेट हाईवे और मेन डिस्ट्रिक्ट रोड्स में अपग्रेड करने की घोषणा की थी। इस पर अमल करते हुए सीएम ने प्रस्तावित 7 हजार 257 किलोमीटर लंबाई में से 5 हजार 716 किलोमीटर लंबाई की सड़कों को मुख्य जिला सड़कों में अपग्रेड करने की मंजूरी दी है।

दिनदहाड़े युवती की हत्या का फरार आरोपी गिरफ्तार

घटना के महज 3 घण्टे में तकनीकी विश्लेषण व सीसीटीवी फुटेज से संदिग्ध की पहचान

जयपुर। सांगानेर थाना पुलिस ने दिनदहाड़े युवती की हत्या कर फरार हुए आरोपी शातिर अपराधी महेश भास्कर ठाकरे को महज 3 घण्टे में पहचान कर गिरफ्तार कर लिया। अपराधी को नासिक महाराष्ट्र से लगातार 1500 कि.मी. तक पीछा कर गिरफ़्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व प्रहलाद सिंह कृष्णियां ने बताया युवती दिल्ली से घुमने जयपुर आयी थी। जब टोंक रोड सांगानेर पर चाय पीकर बाहर निकले तो एक अज्ञात व्यक्ति आया तथा युवती जोया आसिफ मलिक के शरीर पर चाकू से वार कर दिया। जिसने एसएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व ने एक टीम गठित की। टीमों द्वारा करीब 400 सीसीटीवी कैमरे व थाना सांगानेर के ओमप्रकाश डोबर कानि द्वारा तकनीकी विश्लेषण किया गया जिस पर टीम ने लगातार दिन ात 1500 कि.मी. पीछा कर नामपुर जिला नासिक महाराष्ट्र से महेश भास्कर ठाकरे पुत्र भास्कर ठाकरे को पीछा कर पूछताछ कर गिरफ्तार कर लिया।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम

चिकित्सा मंत्री ने किया कृमि नाशक दवा कार्यक्रम का शुभारंभ

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने सोमवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत कृमि नाशक दवा बच्चों को खिलाकर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ शर्मा ने अजमेर जिले के केकड़ी कस्बे में स्थित राजकीय जिला चिकित्सालय में कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को आगामी 25 से 30 अक्टूबर तक कृमिनाशक एल्बेंडाजोल दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश भर में 25 से 30 अक्टूबर तक संचालित होगा। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि कृमि संक्रमण से बच्चों के शारीरिक विकास, हीमोग्लोबिन स्तर, पोषण स्तर और बौद्धिक विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। यह कृमि बच्चों के पेट मे पड़ने वाले कीड़े होते हैं। ये बच्चों के विकास को हर प्रकार से प्रभावित करते हैं। कृमि के फैलाव को निश्चित समयांतराल पर कृमि मुक्त (डिवार्मिंग) कर रोका जा सकता है। इसके लिए कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी।

सोडाला में अपराधियों पर शिकंजा कसा

जयपुर। चोरी, नकबजनी, छीना झपटी की दिन प्रतिदिन बढ़ रही वारदातों एवं दीपावली त्यौहार के मद्देनजर सोडाला वृत्त क्षेत्र में भरतलाल मीणा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण एवं गोपाल सिंह भाटी आरपीएस सहायक पुलिस आयुक्त सोडाला जयपुर दक्षिण थाना श्यामनगर, के नेतृत्व में पुलिस ने संदिग्ध अपराधियों को दस्तयाब कर पहचान कर संदिग्ध और होटल धर्मशालाओं को चैक कर अभियान चलाया। उनसे विस्तृत पूछताछ की गई। इनकी मोबाइल नम्बर, किये जा रहे व्यवसाय व जीवनचर्या के बारे में जानकारी कर विस्तृत पूछताछ नोट कर पूछताछ की गई। थानाधिकारी थाना श्यामनगर द्वारा अपराधियो के निवास पर दबीश के दौरान अवैध शराब मिलने पर एक अभियोग एक्साईज एक्ट में पंजीबद्ध किया गया और एक अभियोग जुआ अधिनियम के तहत दर्ज किया गया है। 6 अपराधियों को थाने पर बुलाकर पूछताछ की गई। कार्यवाही के दौरान पुलिस टीमों ने अपराध का विश्लेषण किया।

अंडरगारमेंट-जींस में छुपाया 56 लाख का सोना

पेस्ट के फॉर्म में शारजाह से ला रहा था सीकर का युवक, जयपुर एयरपोर्ट पर पकड़ा गया

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मंगलवार को कस्टम विभाग ने शारजाह से आए एक यात्री के पास से 1131.500 ग्राम गोल्ड बरामद किया है। इसकी मार्केट वैल्यू 56 लाख 16 हजार रुपए से ज्यादा है। एयरपोर्ट पर पकड़ा गए सोना को यात्री ने अपने अंडरगारमेंट और जींस में पेस्ट के रूप में रखा था। आरोपी उसे प्लास्टिक के पाउच में छिपाकर लाया था। कस्टम विभाग के सूत्रों के मुताबिक शारजाह से आई फ्लाइट में आए व्यक्ति की जब मैन्युअल चेकिंग की गई तो वह पकड़ा गया। कस्टम विभाग की इस महीने में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई की है। इससे पहले 14 अक्टूबर को ही ऐसे ही एक तस्कर को पकड़ा था, जिसके पास से 73 लाख रुपए की कीमत का सोना पकड़ा था। तब भी गोल्ड पेस्ट फॉर्म में ही लाया गया था। 13 दिन में 1 करोड़ 29 लाख का गोल्ड एयरपोर्ट से जब्त किया गया है।

सीकर का रहने वाला है आरोपी: सूत्रों के मुताबिक पकड़ा गया व्यक्ति करीब 50 साल का है। जो सीकर का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि जिस व्यक्ति ने उसे यह सोना दिया था,

उसी ने यहां आने का एयर टिकट बनवाया था। पकड़े गए व्यक्ति ने बताया कि वह 18 महीने पहले शारजाह गया था। एक कंपनी मे ड्राइवर की नौकरी करता है। उसने बताया कि जिस व्यक्ति ने उसे गोल्ड दिया वह भी खुद को सीकर का ही रहने वाला बता रहा था। उसने बताया था कि जैसे ही तुम एयरपोर्ट के बाहर निकलोगे, वहां दो व्यक्ति तुम्हें पहचान लेंगे, उन्हें यह पाउच दे देना।

अंडरगारमेंट और जींस पेंट में सिल रखे थे पाउच: एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि व्यक्ति फ्लाइट से उतरने के बाद जांच के लिए हमारे पास पहुंचा। उसकी मैन्युअल चेकिंग की तो शक हुआ। इसके बाद जब उससे सख्ती से पूछताछ की तो पहले वो मना करता रहा। उसके बाद उसके कपड़े उतरवाए तो देखा अंडरगारमेंट के अंदर 5 पाउच एक कपड़े के टुकड़े में सिलकर छुपा रखे थे। इसके अलावा एक स्ट्रीप के रूप में बड़ा पाउच जींस के अंदर छुपा रखा था।

1.23 क्विंटल अवैध मादक पदार्थ सहित एक गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम श्रीमती ऋचा तोमर ने बताया कि हरमाड़ा चैक पोस्ट पर चैकिंग के दौरान मारूती सुजूकी स्विफ्ट डिजायर के साथ मुल्जिम प्रकाश धोरी के कब्जे से 1 क्विंटल 23 किलो अवैध मादक पदार्थ जब्त किया गया। गिरफ्तार मुल्जिम के खिलाफ अभियोग दर्ज कर अनुसंधान जारी है। दीपावली त्यौहार सीजन के दौरान नाकेबंदी व संदिग्ध वाहनों की चैकिंग की जा रही है। इसके लिए टीमें गठित कर जांच की जा रही है। जांच कार्रवाई जारी है।

शासन सचिवालय में आयोजित बैठक

एयरपोर्ट ऑथोरिटी जयपुर एयपोर्ट पर स्टेट हैंगर के लिए आवंटित जमीन शीघ्र सुपुर्द करें : मुख्य सचिव

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया को जयपुर एयरपोर्ट पर स्टेट हैंगर के लिए आवंटित जमीन का शीघ्र कब्जा देने को कहा है। आर्य ने मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में प्रदेश के सात शहरों में एयरपोर्ट विकास एवं विस्तार के लिए आवश्यक भूमि आवंटन करने के संबंध में विचार-विमर्श कर अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्य सचिव आर्य ने जयपुर एयरपोर्ट पर स्टेट हैंगर के लिए आवंटित जमीन का कब्जा शीघ्र देने के निर्देश दिए, जिस पर एयरपोर्ट ऑथोरिटी ने शीघ्र कार्यवाही कर जमीन सुपुर्द करने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने राज्य सरकार एवं एयरपोर्ट ऑथोरिटी के अधिकारियों को प्रवेश पास सहित अन्य मसलों पर आपसी समन्वय

से कार्य करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्य सचिव ने बीकानेर में नाल एयरपोर्ट को नजदीक की जमीन आवंटन के लिए वन भूमि के डायवर्जन का प्रस्ताव बनाकर भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस जमीन के बदले में वन विभाग के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित करें। श्री आर्य ने जोधपुर एयरपोर्ट के लिए आवश्यक वास्तविक जमीन का पुनः आकलन कर प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। बाड़मेर जिला कलक्टर को उतरलाई एयरपोर्ट की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भूमि आवंटन का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

आर्य ने कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए नगरीय विकास विभाग के स्तर पर निर्णय लेकर जल्द कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही जरूरत होने पर वन विभाग से अनापत्ति प्राप्त करने और डायवर्जन करने के निर्देश दिए। उदयपुर एयरपोर्ट के विस्तार एवं किशनगढ़ एयरपोर्ट के रनवे विस्तार के तकनीकी पहलुओं पर चर्चा कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव पर्यटन श्रीमती गायत्री राठौड़ एवं सिविल एविएशन विभाग के निदेशक श्री राजेन्द्र सिंह शेखावत उपस्थित थे। राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री आनंद कुमार, एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया एवं नगरीय विकास विभाग के अधिकारी तथा बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, कोटा, जयपुर एवं अजमेर के जिला कलक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में शामिल हुए।

संपादकीय

सवालों के घेरे में वैश्विक ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट, भारत को 101वें स्थान पर दी गई जगह

बीते दिनों ग्लोबल हंगर इंडेक्स यानी जीएचआइ, 2021 रिपोर्ट जारी की गई। कई पैमानों पर इसके निष्कर्ष संदिग्ध प्रतीत होते हैं। कथित तौर पर विश्व में भुखमरी की स्थिति को दर्शाने वाली इस रपट में भारत को पाकिस्तान, बांग्लादेश और अन्य दक्षिण एशियाई देशों से भी नीचे रखा गया। इस रपट को तैयार करने में जो पुराने आंकड़े और दोषपूर्ण प्रक्रिया अपनाई गई, उससे इस रपट पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। वैश्विक एवं क्षेत्रीय स्तर पर भुखमरी की स्थिति का पता लगाने के लिए यह रिपोर्ट चार बिंदुओं पर तैयार की गई। इनमें पहला बिंदु अल्पपोषण से जुड़ा है। दूसरा बिंदु चाइल्ड वेस्टिंग यानी लंबाई के अनुपात में कम वजन से संबंधित है।

तीसरा बिंदु चाइल्ड स्टंटिंग यानी आयु के अनुसार कम लंबाई का है। चौथा बिंदु बाल मृत्यु दर का है। इन बिंदुओं का जुड़ाव पांच साल से कम आयु के बच्चों से है। इस रपट में भारत को 116 देशों में से 101वें स्थान पर जगह दी गई, जिसमें वह कई दक्षिण एशियाई देशों से भी नीचे है। इसमें भारत को 27.5 का स्कोर प्राप्त हुआ। वहीं 18 देश ऐसे हैं जिन्हें पांच से भी कम स्कोर मिला। इसमें कम स्कोर बेहतर प्रदर्शन माना जाता है। भारत पिछले वर्ष 94वें स्थान पर था, लेकिन इस साल फिसलकर 101वें पायदान पर पहुंच गया। उसकी तुलना में 65वें स्थान पर श्रीलंका, 76वें स्थान पर नेपाल और 92वें स्थान पर पाकिस्तान दिखाया गया। जीएचआइ की रैकिंग में पांच वर्ष से कम आयु के जिन बच्चों के आंकड़े लिए गए, वे 2016 से 2018 के हैं। अब चाहे तस्वीर उससे बुरी हो या बेहतर, लेकिन वे आंकड़े मौजूदा जमीनी हकीकत को नहीं दर्शाते। इतना ही नहीं रपट तैयार करने में एफएओ के जिन आंकड़ों को आधार बनाया गया, उन्हें जुटाने के लिए जो प्रक्रिया अपनाई गई, वह भी सवालों के घेरे में है।

दरअसल, एफएओ के लिए ये आंकड़े गैलप नाम की संस्था ने टेलीफोन पर सर्वे के आधार पर तैयार किए। सर्वेक्षणकर्ताओं ने कोविड-19 के दौरान रोजगार की स्थिति, नौकरी या कारोबार में नुकसान जैसे सवाल भी पूछे। जबकि इस दौरान सरकार ने खाद्य उत्पादों की सुनिश्चित आपूर्ति के लिए एक व्यापक अभियान चलाया, लेकिन लोगों से यह पूछा ही नहीं गया कि क्या उन्हें खाद्य उत्पाद मिलते रहे। इस तथ्य में भी उतनी ही विसंगति है कि अल्पपोषण को वैज्ञानिक रूप से मापने के लिए लंबाई और वजन मापना आवश्यक है, लेकिन हंगर इंडेक्स में

गैलप के फोन से हुए सर्वे पर ही भरोसा कर लिया गया।विवादित पेच केवल इतने ही नहीं हैं।

रैंकिंग में शुरुआती 18 देश वर्ष 2000 में 5 या 5.5 से कम वाले दायरे में थे, जिन्होंने अपनी स्थिति कायम रखी है। हालांकि, 2000 में जिस चीन का स्कोर 13.5 था, वह भी अब 5 से कम के दायरे में आ गया है। कहा जा रहा है कि कई वैश्विक संस्थाओं ने इस रैंकिंग के लिए आंकड़े जुटाए। ऐसे में क्या चीन के संदर्भ में इन आंकड़ों पर भरोसा किया जा सकता है। विशेषकर इस बात को देखते हुए कि कोरोना की जांच को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ को धमकाना हो या फिर ईजआफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में विश्व बैंक को प्रभावित करना, दोनों ही मामलों में चीन की दबंगई से इन आंकड़ों की विश्वसनीयता भी संदेहास्पद हो जाती है। लिहाजा चीन द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों की गहन रूप से परख-पड़ताल की जानी चाहिए थी, क्योंकि जब डब्ल्यूएचओ

कोरोना की जांच को लेकर चीन के झांसे में आ सकता है तब हंगर इंडेक्स के लिए उसके आंकड़ों पर कैसे भरोसा किया जा सकता है?

ग्लोबल हंगर इंडेक्स भी अतीत में आई वैश्विक संस्थानों की उन तमाम रिपोर्ट के ही ढर्रे पर है, जो भारत की गलत तस्वीर पेश करती रही हैं। हंगर इंडेक्स तैयार करने में हुई गड़बड़ियां पेरिस के रिपोर्टर्स विदाउट फ्रीडम के प्रेस फ्रीडम इंडेक्स और स्वीडिश एजेंसी वी-डेम द्वारा पेश की गई डेमोक्रेसी रिपोर्ट, 2020 की याद दिलाती हैं। उक्त रपट में भारत से बेहतर 'लोकतंत्र की स्थिति' उस मालदीव में बताई गई थी, जहां केवल मुस्लिम ही देश के नागरिक हो सकते हैं और जहां शरई कानून लागू हैं।

एक स्पष्ट रुझान यह भी दिखता है कि जबसे चीन ने संयुक्त राष्ट्र के लिए अपना वित्तीय योगदान बढ़ाया है, तबसे वह इस वैश्विक संस्था और उसकी एजेंसियों के कामकाज को प्रभावित करने की कोशिशों में जुटा है। यही बात पश्चिम की कई अकादमिक, पेशेवर संस्थाओं और विश्वविद्यालयों पर भी लागू होती है, जो विभिन्न विषयों पर स्वतंत्र सर्वेक्षण और रैंकिंग जारी करते हैं। समय आ गया है कि इन संस्थानों के वित्तीय स्रोतों की कड़ी

जांच-पड़ताल कराई जाए। हाल के वर्षों में विश्व बैंक और डब्ल्यूएचओ के रवैये को देखते हुए भारतीय एजेंसियों को पूरी तरहसतर्क हो जाना चाहिए। विशेषकर एशिया में एक और आर्थिक एवं सामरिक शक्ति के रूप में भारत के उभार से चिंतित होते चीन को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है।

भारत की तरक्की की राह में चीन किसी भी प्रकार से अवरोध पैदा करने में जुटा हुआ है। ऐसी कई दलीलें हैं जो विश्वास दिलाती हैं कि ये वैश्विक संस्थान चीन के शिकंजे में फंसकर वही रिपोर्ट तैयार करते हैं, जो चीनी एजेंडे के अनुकूल हो। मिसाल के तौर पर भारत के वैश्विक वैक्सीन उत्पादन में अग्रणी होने के बावजूद डब्ल्यूएचओ

स्वदेशी कोवैक्सीन को मान्यता देने में आनाकानी कर रहा है। देश में 11.20 करोड़ से अधिक लोग कोवैक्सीन की खुराक ले चुके हैं और उसकी क्षमताओं पर भी कोई सवाल नहीं उठे। फिर भी डब्ल्यूएचओ के इस अवरोध से लाखों भारतीय विदेश जाने से वंचित हो रहे हैं। आखिर डब्ल्यूएचओ किसकी शह पर ऐसा कर रहा है?

अनुष्का शर्मा ने बताया कि वह कभी भी प्लास्टिक सर्जरी से नहीं गुजरेंगी. उन्होंने कहा कि मैं प्लास्टिक सर्जरी या शरीर में अप्राकृतिक स्थायी परिवर्तन में विश्वास नहीं करती हूं और न ही किसी को इसके लिए सुझाव देती हूं. अब अगर किसी दिन आपको मेरे पैर अलग और सेक्सी लगें तो कृपया यह मत कहो कि मैंने 'कुछ' किया है... ओह! और यह भी... कुछ जोक्स / मीम्स, जो मेरे होठों पर मुस्कुराहट ला देते हैं.'' इसके अलावा कंट्रोवर्सी पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है. वो लिप जॉब पर खुलकर अपनी बात रखती हैं. उन्होंने कहा कि फैंस को उन्हें इसी तरह स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि वो एक इंसान हैं और उनमें कमियां हैं. हाल ही में सोशल मीडिया पर अनुष्का शर्मा को लेकर बने मीम्स की भरमार सी लग गई. लोग तरह-तरह के कमेंट्स करने लगे. हालांकि, अनुष्का ने ट्रोलर्स का डटकर सामना किया.

मीम्स की भरमार, अनुष्का का जवाब

कभी नहीं करवाई प्लास्टिक सर्जरी

एक्ट्रेस ने अपने खिलाफ हो रहे विवाद का मामला तूल पकड़ने पर ट्विटर पर एक लंबा नोट पोस्ट किया. उन्होंने लिखा 'एक शो के एपिसोड में हाल ही में मेरे बारे में बहुत सारी बातें हुई हैं. मुख्य रूप से मेरे होठों के बारे में. मैं आज बताना चाह रही हूं कि इस पर मेरी क्या राय है. मैं इस बारे में सिर्फ इसलिए बात कर रही हूं क्योंकि इस कहानी ने एक नया मोड़ ले लिया है और चीजें हद से बाहर हो गई हैं. थोड़ी देर के लिए मैं अस्थायी होंठ बड़े करने वाले उपकरण या मेकअप का इस्तेमाल करती हूं. इस वजह से हो सकता है कि मेरे होंठ में बदलाव देखने को मिला हो. लेकिन मैं आश्वस्त करती हूं कि मैंने कभी भी 'प्लास्टिक सर्जरी' नहीं कराई है.'

ज़िम्मेदार बेटी

जाह्नवी कपूर और पिता बोनी कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इन दोनों का यह वीडियो मुंबई एयरपोर्ट का है. इस दौरान जब पैपराजी को पोज देने के लिए बोनी कपूर अपना मास्क उतारते हैं तो ऐसा करने से जाह्नवी उन्हें रोक देती हैं और फोटोग्राफर पर नाराज होते हुए कहती हैं कि ऐसे गलत एडवाइज मत दीजिए.

वीडियो में जब जाह्नवी अपनी कार में बैठने के लिए जाती हैं तो पैपराजी उनसे टैटू दिखाने की रिक्वेस्ट करते हैं. इस पर वह जवाब देते हुए कहती हैं- 'आपने इसे काफी बार देखा है, मैंने इसे इंस्टाग्राम पर डाला है.' इस वीडियो को देखने के बाद फैंस ने एक्ट्रेस को एक जिम्मेदार बेटी कहकर बुलाया है. फैंस कॉमेंट करते हुए एक्ट्रेस की तारीफ कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा- जाह्नवी ने पहली बार समझदारी वाली बात कही है. एक दूसरे ने लिखा- लविंग जाह्नवी को अपने पिता की कितनी ज्यादा चिंता है.

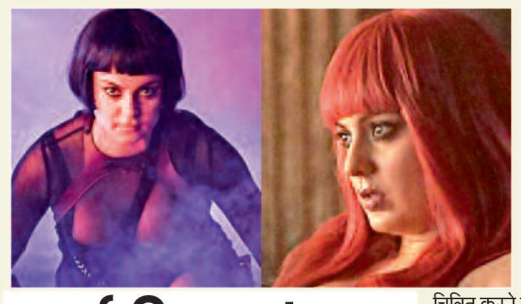

स्पाई थ्रिलर कंगना

कंगना रनौत ने एक्शन जासूसी थ्रिलर, 'धाकड़' का लुक साझा किया है. उन्होंने फिल्म से अपने 4 लुक का एक कोलाज इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. उन्होंने इस फोटो को कैप्शन दिया, 'वह उग्र, उत्साही और निडर है.' कंगना ने कहा कि मुझे लगता है कि मैंने जो कुछ भी किया है, वह 'धाकड़' है. अपने घर से भागने से लेकर अब तक, मैं सभी 'धाकड़' चीजें करती रहती हूं. उन्होंने कहा कि यह बॉलीवुड की पहली महिला केंद्रित जासूसी थ्रिलर है. मैं इसे लेकर वास्तव में खुश हूं. मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मैं एक ऐसे चरित्र को चित्रित करने में सक्षम हूं जो अच्छे एक्शन दृश्य करता है. फिल्म में, उन्होंने एजेंट अग्नि की भूमिका निभाई है, जो बाल तस्करी और महिलाओं के शोषण के दोहरे खतरे का सामना करती है. फिल्म के स्टंट एक अंतरराष्ट्रीय टीम द्वारा डिजाइन किए गए हैं और कई हॉलीवुड एक्शन फिल्मों में काम कर चुके पुरस्कार विजेता जापानी छायाकार टेटसुओ नागाटा ने कैमरावर्क किया है.

राजकुमार के दीवाने परेश

परेश रावल ने अपने 'हम दो हमारे दो' के सह-कलाकार राजकुमार राव की प्रशंसा की है. अभिनेता का कहना है कि वह उनके काम के कायल हो गए हैं, उन्हें उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है. उन्होंने कहा कि राजकुमार उन अभिनेताओं में से एक हैं जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है और उनके साथ काम करने में मजा आता है.

वह अलग-अलग विषयों पर अच्छा करने का प्रयास करते हैं और 'शाहिद' और 'न्यूटन' जैसी विभिन्न फिल्मों के साथ सिनेमा का समर्थन करते हैं. फिल्मों का भविष्य हमेशा अच्छा रहेगा, अगर उनके जैसे अभिनेता आगे बढ़ते रहे. पारिवारिक मनोरंजन हम दो हमारे दो एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो अपने जीवन के प्यार को प्रभावित करने के लिए माता-पिता को गोद (एडोप्ट) लेता है. इसमें रत्ना पाठक शाह, कृति सेनन और अपारशक्ति खुराना भी हैं.

टिकटॉक भारत में बंद हुआ तो रितेश देशमुख को बहुत नुकसान झेलना पड़ा था. उनको ऐसा लगा कि वह बेरोजगार हो गए हैं. इसका खुलासा खुद उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान किया. उन्होंने कहा कि कैसे उन्होंने लॉकडाउन के दौरान टिकटॉक के लिए शॉर्ट वीडियोज बनाना शुरू किया, जो हर किसी के मूड को हल्का कर देता था. रितेश ने कहा कि उन्हें ऐसा लगा कि वह बेरोजगार हो गए हैं.

टिकटॉक बंद होने से हुआ बेरोजगार

मुझे महसूस हुआ कि हे भगवान, अभी क्या करूं मैं? जो काम था, वो तो चला गया. इसके बाद रील्स आ गया. मैंने कहा चलो, रील्स ही सही. वह टिकटॉक से पैसा भी कमा रहे थे और इसके बंद होने के बाद इससे हो रही कमाई पर जरूर असर पड़ा था.

नरगिस को नहीं शोहरत की भूख

एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने कहा, 'मैं किसी चीज की भूखी नहीं हूं, मुझे शोहरत की भूख नहीं है कि मैं न्यूड पोज दूं या फिर डायरेक्टर के साथ सो जाऊं.'

नरगिस ने बताया कि उन्होंने कई मौके सिर्फ इसलिए खो दिए क्योंकि कई ऐसी चीजें थीं, जिनके लिए उन्होंने साफ इनकार कर दिया था. उनके लिए ये सब दिल तोड़ने वाला था. नरगिस ने बताया कि उन्हें कई बार टॉपलेस और नेकेड शॉट्स के लिए पूछा गया है लेकिन वह इन चीजों को लेकर सहज महसूस नहीं करती हैं. ऐसे में उन्होंने इसके लिए साफ मना कर दिया. उन्होंने कहा कि मैं खुश हूं कि मैं बॉलीवुड में हूं, क्योंकि यहां पर इंटीमेट सीन्स नहीं करते. उन्होंने अपने और रणबीर कपूर के रिश्ते को लेकर खुलासा किया. उन्होंने कहा, आज तक मैं थैंकफुल हूं कि मैंने रणबीर के साथ मेरे पहले को-स्टार के रूप में काम किया. वह एक शानदार एक्टर हैं और उनके साथ काम करना आसान है. साथ ही उसकी मां को जानना जैसे भगवान का एक आशीर्वाद था क्योंकि वह मुझे बहुत प्यारी हैं. उस समय मेरे जीवन में उसका होना वास्तव में सुकून देने वाला था क्योंकि मैं भारत में बिल्कुल अकेली थी.

ओपन स्टाइल कोरियोग्राफी देख दंग हुए जज

शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 2' में गाला ऑडिशन राउंड्स के दौरान आकाश तांबेकर ने ओपन स्टाइल कोरियोग्राफी करते हुए एक डांस फॉर्म पेश किया. इसमें वो एक विचित्र गाने 'इट्स मैजिक' पर परफॉर्म करते नजर आए. उनकी परफॉर्मेंस देखकर जजेस दंग रह गए और उन्होंने उसे स्टैंडिंग ओवेशन दिया. मलाइका अरोड़ा ने कहा कि आप इस शो में रहने के हकदार हैं और हमें आपको स्काय बुलाना चाहिए. वहीं गीता कपूर उनकी परफॉर्मेंस के दौरान सीट पर ही डांस करने लगीं. आकाश ने कहा कि मेरा असली मकसद कड़ी मेहनत करके इंडियाज बेस्ट डांसर-2 की ट्रॉफी जीतना है. यह शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है.

शो 'जिद्दी दिल- माने ना' में स्पेशल एजेंट करन शेरगिल की भूमिका निभा रहे शालीन मल्होत्रा ने कहा कि यह शो जवानी के जोश से भरा है जिसमें कुछ ट्रेंड सिविल कैडेट्स पराक्रम एसएएफ (स्पेशल एक्शन फोर्स) बेस कैम्प में मिलते हैं.

TV मैजिक

जिद्दी लड़की चांदनी

शो 'कामना' में आकांक्षा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री चांदनी शर्मा ने कहा कि आकांक्षा एक जिद्दी लड़की है, जो जिंदगी के साधारण तौर-तरीकों से अलग एक ऐशो-आराम की जिंदगी जीने के अरमान रखती है. यह किरदार आज की पीढ़ी से जुड़ा है जो सपने देखने की हिम्मत करती है और एक आलीशान जिंदगी में खुशी ढूंढ़ती है.

राम की हुई प्रिया

शो 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' में राम (नकुल मेहता) और प्रिया (दिशा परमार) अब शादी के बंधन में बंध चुके हैं. दोनों के स्वभाव और पृष्ठभूमि एक दूसरे से अलग हैं, फिर भी उन्होंने अपने परिवारों की ख्वाहिश पूरी करने के लिए एक दूसरे से शादी की है. नकुल ने कहा कि कहानी में राम और प्रिया की शादी के बाद अब यह देखना बड़ा दिलचस्प होगा कि उनका रिश्ता आगे क्या रंग लाता है.

शेर की तरह घूरता है एक्टर

शालीन ने कहा कि मेरे किरदार में एक प्रशासक के गुण हैं और मार्शल आर्ट्स से अपनी आंखों को फोकस्ड दिखाने में मुझे मदद मिली है. मैं किसी को भी शेर की तरह घूर सकता हूं और मेरी आंखें हमेशा टारगेट पर रहती हैं और मेरे लिए अपने किरदार में रहना और उसके गुणों को पूरी तरह अपनाना आसान हो जाता है. उन्होंने कहा कि फिटनेस मेरी जिन्दगी का अटूट हिस्सा है. मेरे लिए फिट होने का मतलब अच्छा खाने, गहरी नींद लेने और हेल्दी लाइफस्टाइल से है. हम अक्सर अपने मेंटल हेल्थ पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन मेंटल और फिजिकल हेल्थ हमेशा एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं. अगर आपका दिमाग कुछ ठान सकता है तो आपका शरीर उसे हासिल भी कर सकता है. मेरा फिटनेस मंत्र है हेल्दी खाना, अच्छी लाइफस्टाइल जीना और जिंदगी का मजा लेना. यह शो सोनी सब प्रसारित होता है.

T1 5G फोन

वीवो ने Vivo T1 5G फोन लांच किया है. फोन में 6.67 इंच का डिस्प्ले दिया गया है. कंपनी ने इस फोन को 12जीबी तक की रैम और 256जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज वेरिएंट में लांच किया है. यह फोन स्नैपड्रैगन 778G प्रोसेसर के साथ आता है. फोटोग्राफी के लिए इस फोन में कंपनी एलईडी फ्लैश के साथ ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप ऑफर कर रही है. इसमें 64 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरा के साथ एक 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड ऐंगल सेंसर और एक 2 मेगापिक्सल का मैक्रो लेंस दिया गया है. वहीं, सेल्फी के लिए इस फोन में 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा लगा है. फोन में कंपनी 5000mAh की बैटरी ऑफर कर रही है, जो 44 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है.

मुश्किल मंजिल तक पहुंचने में लगता है टाइम

सफलता के लिए कठिन परिश्रम और सही मार्गदर्शन की जरूरत होती है. सभी के लिए सफलता प्राप्त करने का रास्ता अलग-अलग हो सकता है लेकिन नियम एक ही होते हैं. सफलता प्राप्त करने के लिए बार-बार कोशिश करते रहना चाहिए जब तक मंजिल आपको नहीं मिल जाती है. सफल व्यक्ति मानसिक तौर पर खुशहाल और स्वस्थ रहता है. आइए जानते हैं कि किन कदमों पर चलकर आपको सफलता मिल सकती है.

■ जीवन में मोटिवेशन की जरूरत तो होती है, लेकिन सिर्फ मोटिवेशन के इंतजार में नहीं बैठना चाहिए. आपका सपना, आपकी मंजिल खुद अपने आप में मोटिवेशन है, जो आपको हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी.

■ जीवन में किसकी कब कहां जरूरत पड़ जाए, कुछ पता नहीं है. इसलिए सभी से मेलभाव से रहें और मिलें. सही और अच्छे लोगों के संपर्क में रहना आपके सफल होने के इरादे को और मजबूत करता है. साथ ही आप उन लोगों से बहुत कुछ सीखते हैं.

■ सफलता प्राप्त करने से पहले कई बार असफलता मिलती है. लेकिन असफलता के चक्कर में निराश होकर नहीं बैठना है. बार-बार कोशिश करें, जब तक कि आपको सफलता मिल नहीं जाती.

■ जीवन में हम कुछ काम ऐसे ले लेते हैं, जिन्हें करना बहुत ज्यादा मुश्किल होता है. इसके बाद जब वह मंजिल आसानी से नहीं मिलती तो हम हार मान लेते हैं. ध्यान रखें कि जितनी मुश्किल मंजिल होगी, सफलता पाने में उतना ही टाइम लग सकता है.

■ सफलता प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि ध्यान न भटकाएं. अपनी मंजिल और लक्ष्य पर फोकस बनाए रखें और हमेशा उसी के लिए मेहनत करते रहें.

कम में बड़ा दम है...

मिनिमलिज्म अपनाएं जिंदगी आसान बनाएं

ईजी लाइफ जीने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते! जीवन भर दफ्तर में ओवरटाइम करते हैं, भागदौड़ करते हैं और न जाने क्या-क्या करते हैं. लेकिन अगर आप अपने जीवन में एक सिद्धांत को अपना लें तो आपकी जिंदगी वाकई आसान हो जाएगी. ये सिद्धांत है मिनिमलिज्म का सिद्धांत. इस सिद्धांत का मतलब है कम से कम चीजों की खरीदारी. यानी कि आप अगर कम चीजें खरीदें तो आपकी जिंदगी वाकई आसान हो सकती है. इससे आपका खर्च कम होगा और आप फाइनेंशियली खुद को स्ट्रॉन्ग बना सकेंगे. यह आपको मेंटली भी शांत रखेगा और आप खुशहाल जीवन जी सकेंगे.

शुरुआत करें धीरे-धीरे

हर किसी की जिंदगी अलग होती है और उसमें बदलाव का तरीका भी अलग ही होना चाहिए. ऐसे में अगर आप अपने जीवन में कम खर्च के सिद्धांत को अपनाएं तो एक बार में ऐसा न करें, वरना आपको असुविधा हो सकती है.

डायरी करें मेंटेन

अपनी डायरी में यह लिखें कि आप आखिर क्यों मिनिमलिज्म को अपनाना चाहते हैं. इसे आप डायरी के पहले पन्ने में लिखें और रोज डायरी मेंटेन करें. यकीन मानिए, आपको अपने खर्च को कंट्रोल करने में काफी मदद मिलेगी.

बेवजह की चीजों को करें शॉर्ट लिस्ट

आप अपने घर में मौजूद चीजों को शॉर्ट लिस्ट करें और वॉर्डरोब या घर में रखे बेकार के डेकोरेटिव पीसेज या किचन के सामान आदि को एक जगह रखें. इ1 नमें जिन चीजों का प्रयोग नहीं करना हो, उसे ढोने की बजाय आप इन्हें बेच दें या दान कर दें.

मल्टी यूज सीखें

उदाहरण के तौर पर आप वैसे कपड़ें लें जिसे आप हर ओकेजन में मिक्स और मैच कर पहन सकते हैं. इसके अलावा बैग, जूते, किचन सेट आदि भी आप अलग-अलग तरीके से प्रयोग कर सकते हैं. ऐसा करने से आप कम से कम सामान को अधिक से अधिक प्रयोग में ला सकते हैं.

बिना सोचे न करें शॉपिंग

आप उन चीजों को ही खरीदें जिनकी बहुत जरूरत है. दस चीजों को खरीदने की बजाय आप एक ऐसी चीज खरीदें जो बेस्ट क्वालिटी की हो. ऐसा करने से आपके घर में सामान का अंबार नहीं लगेगा.

सजाकर रखें घर

अगर आप अपने घर को सजा-संवार कर रखेंगे तो आप घर में बेवजह की चीजें नहीं लाएंगे.

गलत पैरेंटिंग का बच्चों पर असर

बच्चों की परवरिश करना कोई आसान काम नहीं है. एक अच्छा अभिभावक वह होता है जो बच्चे के हित में कोई भी फैसला लेने की कोशिश करता है. पैरेंट होने के नाते आपको बहुत ज्यादा संभलकर रहने की जरूरत होती है क्योंकि आपकी गलती की वजह से बच्चे को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. गलत पैरेंटिंग की वजह से बच्चों के मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर बुरा असर पड़ता है. ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे ही प्रभावों के बारे में बता रहे हैं जो गलत पैरेंटिंग का नतीजा बन सकती हैं.

पैसों पर ध्यान न देना

बच्चों को बचपन से ही पैसों को खर्च करने और बचत पर ध्यान देने का स्किल सिखा देना जरूरी होता है. यह एक महत्वपूर्ण लाइफ स्किल है. इससे बच्चे बड़े होकर सही फाइनेंशियल निर्णय ले पाते हैं. लेकिन अगर आप बच्चों को पैसों का सही इस्तेमाल करना नहीं सिखाते हैं तो इससे बच्चा सिर्फ खर्च करेगा और बचत से क्या फायदे होते हैं, उसके बारे में नहीं समझ पाएगा. इससे उसका आने वाला समय खतरे में पड़ सकता है.

नेगेटिव बॉडी इमेज

अगर आप लगातार बच्चे की खाने-पीने की आदतों को लेकर टोकते रहते हैं या फिर उसके शरीर की बनावट पर कमेंट करते रहते हैं तो ऐसा करना गलत है. आपकी यह आदत बच्चे के लिए घातक साबित हो सकती है. आपकी इस हरकत से बच्चा अपने लुक को लेकर असुरक्षित महसूस करने लगता है. इसकी बजाय आप बच्चे के मन में अपनी स्किन और बॉडी को लेकर कॉन्फिडेंट बनने के लिए मोटिवेट करें.

रोने से रोकना

बच्चों के लिए कभी-कभी रोना भी जरूरी होता है. इससे बच्चों को खुलने और अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने में मदद मिलती है. जब बच्चे को अच्छा महसूस नहीं होता है तो वो इस तरह अपनी फीलिंग को जाहिर कर सकता है. लेकिन अगर आप अपने बेटे से ये कहते हैं कि लड़कियां रोती हैं और लड़कों को रोना शोभा नहीं देता है तो आप अपने बेटे पर मानसिक बोझ डाल रहे हो.

खाने संबंधित नखरे उठाना

अगर आपका बच्चा खाने के समय नखरे दिखाता है या वो खाने में आनाकानी करता है तो ऐसा नहीं है कि आप उसकी डिमांड को पूरा करते रहें. इससे बड़े होने पर बच्चे में कोई गंभीर ईटिंग विकार हो सकता है. कम उम्र से ही बच्चे में हेल्दी खाने की आदत डालें, जिससे वो खुद भी हेल्दी रहे और उसकी ईटिंग हैबिट्स भी न खराब हों.

ज्यादा प्रोटेक्टिव होना

अमूमन हर पैरेंट अपने बच्चे को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव होते हैं और उन्हें सिक्योर करके चलने की कोशिश करते हैं जबकि बच्चे के लिए यह सही नहीं होता है. यह तो हम सभी जानते हैं कि इंसान अपनी गलतियों से ही सीखता है और उसी से हमें अनुभव मिलता है. इसलिए आप बच्चों को खुद फैसला लेने दें. ऐसा करना बच्चे के मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी है.

भावनाएं नहीं हैं जरूरी

कई बार बच्चे किसी बात को लेकर दुखी हो जाते हैं. ऐसे में बच्चों को खुश करने के लिए माता-पिता कह देते हैं कि 'ये कोई बड़ी बात नहीं है' या 'इसे लेकर ज्यादा दुखी होने की जरूरत नहीं है'. ऐसे में बच्चों को लगता है कि भावनाएं ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होती हैं और इन्हें व्यक्त करने से बेहतर दबाना होता है. इसकी बजाय बच्चों को खुद से अपनी भावनाओं को संभालने और उनसे निपटना सिखाएं.

उनकी हर बात मानना

बच्चे जो कुछ भी मांगते हैं, हम उन्हें दिला देते हैं लेकिन एक रिसर्च की मानें तो इससे बच्चे मानसिक रूप से मजबूत जैसे कि खुद को अनुशासन में रखने से चूक जाते हैं. आगे चलकर जो चीजें उन्हें नहीं मिल पाती हैं, उन्हें लेकर वो परेशान हो जाते हैं. बच्चों को फोन या कंप्यूटर देने की बजाय उनके साथ समय बिताएं. इससे आप अपने बच्चे के मन की इच्छाओं को समझ पाएंगे.

हमेशा कंफर्टेबल महसूस करवाना

ऐसी कई चीजें होंगीं जो बच्चों को असहज महसूस करवाती होती हों जैसे कि नया स्कूल या नए दोस्त या कुछ नया काम ट्राई करना. अगर आप अपने बच्चे को इन चीजों से बचा लेते हैं तो असल में आप उसे मानसिक रूप से कमजोर बना रहे हैं. अपने बच्चे को नई चीजें ट्राई करने के लिए प्रेरित करें.

गले मिलोगे तो बढ़ेगी इम्यूनिटी

भावुक होने पर, खुशी मिलने पर या किसी से गर्मजोशी से मिलने पर आपका मन गले मिलने को अकसर ही करता होगा. ऐसा करने पर आपके दिल को सुकून और राहत का अहसास भी जरूर होता होगा. गले मिलने से केवल सुकून का अहसास ही नहीं होता, बल्कि ये तनाव से राहत देने में भी आपकी काफी मदद करता है. इतना ही नहीं, गले मिलने के और भी कई सारे फायदे हमें मिलते हैं.

अकेलापन दूर होता है

गले मिलने से अकेलेपन को दूर करने में मदद मिलती है. गले मिलने के दौरान बॉडी में सिरोटोनिन हार्मोन रिलीज होता है, जिसको फील गुड हार्मोन के नाम से भी जाना जाता है. इस हार्मोन के बॉडी में रिलीज होने से ये नींद और मूड को बेहतर बनाने में मदद मिलती है. जिसकी वजह से तनाव और अकेलापन दूर होता है और खुशी का अहसास होता है.

खुशी और सुकून

गले मिलने से खुशी और सुकून का अहसास तो होता ही है, साथ ही इससे इम्यूनिटी को बढ़ाने में भी मदद मिलती है. जब हम किसी से गले मिलते हैं तो हमारे अंदर का तनाव और अकेलापन दूर होता है. ये हमारे अंदर पॉजिटिविटी भरने में

और निगेटिविटी को दूर करने में मदद करता है. जिसकी वजह से खुद को फ्रेश और फिट महसूस करने और इम्यूनिटी को स्ट्रांग बनाने में मदद मिलती है.

ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहेगा

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में भी गले लगना काफी मदद करता है. जब आप किसी टेंशन में होते हैं या कुछ निगेटिव सोचते हैं तो ब्लड प्रेशर हाई रहता है. ऐसे में अगर आप किसी अपने के गले लगते हैं तो इससे आपकी टेंशन कम होती है, जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है.

आपसी प्यार बढ़ता है

गले लगने से दिल को खुशी और राहत का अहसास होता है. ये आपके अंदर सकारात्मकता को बढ़ाने में मदद करता है. इससे आपके अंदर का डिप्रेशन दूर होता है. गले मिलने के दौरान शरीर से जो हार्मोन रिलीज होते हैं, वो तनाव को दूर करने में मदद करते हैं. खासकर महिलाओं में गले मिलने के दौरान ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा मात्रा में रिलीज होता है. इससे आपसी प्यार बढ़ने में भी मदद मिलती है.

छोटे बजट में अच्छी खरीदारी

फायदेमंद शॉपिंग के लिए जरूरी है कि शॉपिंग की फेहरिस्त तैयार करने से पहले ही उसका बजट तैयार कर लिया जाए और फेस्टिवल के दौरान तो यह और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है. आउटफिट्स, जूलरी, सजावट के सामान में इन्वेस्टमेंट इतना ज्यादा हो जाता है कि बाद में कई बार इसे लेकर पछतावा भी होता है. तो इस चक्कर से बचने के लिए अच्छा होगा आप इन टिप्स एंड ट्रिक्स के साथ निकलें शॉपिंग करने.

योजना बनाएं

शॉपिंग पर निकलने से पहले सामान की सूची तैयार करें कि आपको किसके लिए, क्या और कितनी चीज खरीदनी है. सूची तैयार करते समय इस बात का ध्यान रखें कि इन चीजों को प्राथमिकता देते हुए लिखें, जिससे सही समय पर सही चीज खरीदी जा सके. चीजों पर कितना खर्च होगा, उसे जोड़ें और अब 15-20 फीसदी कम कर दें. सीजन में जहां भी सेल लगी हो, उसका ध्यान रखें और अपने बजट व पसंद के मुताबिक खरीदारी भी करें. बाजार की चकाचौंध और सेल के चक्कर में बजट से बाहर न जाएं, इसके लिए अपनी लिस्ट को बार-बार चेक करती रहें.

किफायती शॉप्स चुनें

शॉपिंग से पहले यह तय करें कि आपको सब सामान कहां से खरीदना है. ऐसी जगह चुनें जहां आपकी सारी जरूरतें पूरी हो जाएं. इससे न सिर्फ समय, बल्कि पैसा भी बर्बाद होने से बचेगा. बेहतर होगा कि आप उन जगहों की सूची बना लें जहां आपकी पसंद का सामान सही दाम में मिलता हो.

जब हो फेस्टिवल सेल

सोच-समझकर ही सेल पर उपलब्ध सामान खरीदें. इसके दो कारण हैं, एक तो सेल में निकाला गया सामान पुराना होता है, दूसरे सेल खत्म होने पर वह वापस नहीं होता.

छूट का लाभ उठाएं

फेस्टिव सीजन के दौरान कई चीजों पर छूट भी मिलती है. छूट के बारे में पूछते समय संकोच न करें. एक ही जगह कीमत पूछकर खरीदारी न करें. किसी दूसरी शॉप से भी उस चीज का मूल्य जांच लें.

क्रेडिट कार्ड के बजाय नगद

फेस्टिवल शॉपिंग करने के लिए हमेशा नगद राशि का इस्तेमाल करें. क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग न करें, क्योंकि ज्यादा खरीदारी पर आपको कंपाउंड इंट्रेस्ट देना पड़ता है. साथ ही अगर किसी कारणवश खरीदे गए सामान को बदलना हो तो आपको नगदी वापस नहीं मिलेगी. सीमित स्टॉक में से ही आपको अपना सामान बदलना होगा.

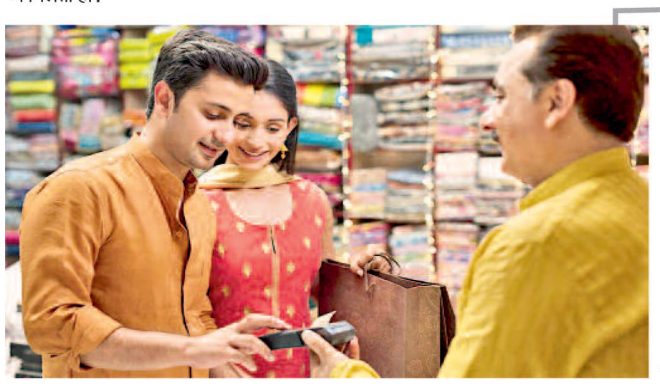

त्योहारों के मौके पर एक-दूसरे को उपहार देने का चलन बहुत पुराना है. इसके लिए लोग पहले से ही तैयारियां शुरू कर देते हैं. गिफ्ट लेने और देने, दोनों का ही अपना अलग मजा होता है. तो अगर आप भी दिवाली के अवसर पर फैमिली, फ्रे* के लिए गिफ्ट खरीदने जा रहे हैं तो इन बातों का खासतौर से ध्यान रखना चाहिए.

फेस्टिवल गिफ्ट्स की स्मार्ट शॉपिंग

▲ गिफ्ट खरीदने से पहले अपना बजट तय करना बहुत जरूरी है कि इस महीने आप गिफ्ट की शॉपिंग में लगभग कितने पैसे खर्च करेंगे. इस बजट की अधिकतम सीमा पहले से ही निर्धारित कर लें और ध्यान रखें कि किसी भी हाल में उससे ज्यादा खर्च न हो.

▲ कुल बजट तय करने के बाद उन लोगों की सूची बनाएं, जिनके लिए आपको उपहार खरीदना है. इसके अलावा यह भी तय कर लें कि किन लोगों के लिए किस तरह की चीजें खरीदेंगे.

▲ अगर आपका कोई करीबी रिश्तेदार या दोस्त किसी दूसरे शहर में रहता है तो ऑनलाइन उपहार भेजना भी अच्छा ऑप्शन है, लेकिन इसके लिए किसी विश्वसनीय वेबसाइट का ही चुनाव करें.

▲ ज्यादातर शहरों में कपड़ों, खिलौनों और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के लिए अलग-अलग मार्केट होती है, जहां इन चीजों की ज्यादा वैराइटी थोक के दर से सस्ते में मिल जाती है. अपने किसी अनुभवी दोस्त से इस बारे में जानकारी हासिल करने के बाद ही शॉपिंग पर निकलें.

▲ आजकल पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स का चलन है. ऐसे उपहार आपके करीबी लोगों को अपनत्व का एहसास दिलाते हैं, जैसे किसी खूबसूरत शोपीस के साथ अपने प्रिय दोस्त या रिश्तेदार के नाम लिखा गया प्यार भरा संदेश. कॉफी मग, पिलो कवर, वॉल क्लॉक या की-रिंग पर दोस्तों के साथ अपनी कोई यादगार तस्वीर प्रिंट करवा कर आप उन्हें गिफ्ट कर सकते हैं.

▲ अगर ज्यादा लोगों के लिए ढेर सारे उपहार खरीदने हों तो खरीददारी से पहले थोड़ा मार्केट रिसर्च करके यह जरूर मालूम कर लें कि कौन सी चीजें कहां ज्यादा अच्छी और सस्ती मिलेंगी.

▲ अगर आप गिफ्ट के लिए टेराकोटा या शीशे से बना कोई सामान खरीदती हैं तो उसे इस तरह पैक करवाएं कि ले जाते समय वह टूटे नहीं.

▲ अच्छी पैकिंग मामूली से उपहार की सुंदरता में चार चांद लगा देती है. इसके लिए आप घर में रखी कुछ पुरानी चीजों जैसे गोटा, किनारी, रिबन और मोतियों का इस्तेमाल कर सकती हैं. अगर आप अपने गिफ्ट को बिल्कुल नए अंदाज में पेश करना चाहती हैं तो इसके लिए इंटरनेट की भी मदद ले सकती हैं.

▲ गिफ्ट के मामले में कीमत नहीं, बल्कि भावनाओं की अहमियत होती है. यह जरूरी नहीं है कि लोगों को केवल महंगे उपहार ही पसंद आते हैं. इसलिए उपहार खरीदते समय उसकी कीमत के बारे में बहुत ज्यादा न सोचें. कई बार कम कीमत में भी बहुत सुंदर और उपयोगी चीजें मिल जाती हैं.

हमारे प्यारे डॉगीज: कैवेलियर किंग्स चार्ल्स स्पैनियल

प्यारे बच्चों को कविता आंट का ढेर सारा प्यार और चॉकलेट्स

बच्चों, डॉग्स की एक ब्रीड है जो 'किंग्स चार्ल्स स्पैनियल' या 'इंग्लिश टॉय स्पैनियल' के नाम से जाना जाता है ।यूँ तो इस ब्रीड का ओरिजिन एशिया के जैपिनीज़-चिन या पिकिनीज़ जैसी ब्रीड्स के ख़ास फ़ीचर्स के कारण एशिया ही माना जाता है मगर कहते हैं कि ये ब्रीड पंद्रहवीं शताब्दी में फ्रांस से स्कॉटलैंड लाई गई थी और क्वीन मैरी वन और किंग फ़िलिप के साथ इनकी पेंटिंग्स भी मिलती हैं ।

लेकिन इन्हें असली लोकप्रियता हासिल हुई सत्रहवीं शताब्दी में किंग्स चार्ल्स प्रथम और उनके बेटे किंग चार्ल्स द्वितीय की इनके प्रति बेइंतहा मुहब्बत के कारण। किंग चार्ल्स द्वितीय तो इन्हें इतना प्यार करते थे कि दो तीन ऐसे डॉग्स हमेशा अपने साथ रखा करते थे, और दरअसल इस वजह से ही इन्हें ये नाम दिया गया।

लेकिन फिर उनके बाद इन डॉग्स ने अपनी लोकप्रियता खो दी और इनकी जगह पग्स ने ले ली जिनके बारे में मैं आपको बता चुकी हूँ ।

सन् उन्नीस सौ छब्बीस में रोज़वैल एलरिज नामक एक अमेरिकन ने इस ब्रीड को पुनः लोकप्रिय करने के लिए ब्रीडर्स के सामने कैश-प्राइज़ का प्रस्ताव रखा जिसे हाथोंहाथ लिया गया और फिर से इस ब्रीड पर काम शुरु किया गया । नतीजतन ये ब्रीड फिर से पैदा हुई मगर थोड़े से फ़र्क़ के साथ। अब इस ब्रीड का नाम रखा गया,÷कैवेलियर-किंग्स-चार्ल्स-स्पैनियल ÷।

कैवेलियर को उन्नीस सौ पैंतालीस में कैनन क्लब ने रिकग्निशन दी और उन्नीस सौ पिच्यानवे में अमेरिकन कैनन क्लब ने इसे एक प्रौपर ब्रीड घोषित कर दिया।

क्रमशः

डॉ. कविता माथुर

ऑफिस जाने वाली महिलाएं हों या हाउस वाइफ, दोनों के पास वक्त का अभाव होता है. वे अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को पैंपर नहीं कर पातीं और मेकअप के सारे साधन होते हुए भी वे खुद को मेकअप से परे रखती हैं. इसकी वजह है उनके पास समय का न होना. लेकिन अगर आप अपने लाइफस्टाइल को थोड़ा सा और व्यवस्थित करें और 2 मिनट खुद के लिए निकालें तो आप तमाम व्यस्तताओं के बावजूद खुद को पैंपर कर सकती हैं.

जल्दी रेडी होने के लिए ब्यूटी टिप्स

रात में करें ये काम

जब भी आप रात को सोने जाएं तो अपने नाइट रूटीन में स्किन केयर को जरूर शामिल करें. उदाहरण के तौर पर सोने से पहले फेसवॉश से चेहरे को साफ करें और गुलाबजल या नाइट क्रीम भी लगाकर सोएं. सुबह आपका चेहरा एकदम फ्रेश दिखेगा. ऐसे में आप केवल काजल और लिप ग्लॉस लगाकर भी खूबसूरत नजर आएंगी.

बीबी या सीसी क्रीम का करें यूज

हैवी फाउंडेशन और कंसीलर लगाने और उन्हें सेटल होने में समय लगता है. ऐसे में आप सुबह अपने मॉश्चराइजर के साथ बीबी या सीसी क्रीम का इस्तेमाल करें. ये आपके चेहरे पर ग्लो लाएगा और आपकी स्किन क्लीन नजर आएगी.

लिप ग्लॉस है काफी

अगर आपके पास बिलकुल समय नहीं है तो आप अपने पर्स में लिप ग्लॉस जरूर रखें.

जैसे समय मिले, आप इसे होठों पर लगाएं. आप इसे हल्के हाथों से आंखों के ऊपर भी फैला सकती हैं. इससे आपका लुक कूल दिखेगा.

पैरों के लिए करें ये काम

जब भी रात को सोने जाएं तो चेहरे के साथ-साथ पैरों पर भी क्रीम लगाएं. अगर फट रहे हैं तो इन पर वैसलीन लगाना न भूलें.

बालों में ऐसे दें वॉल्यूम

बालों में शैम्पू करने का समय नहीं है तो आप बालों की जड़ों में टेलकम पाउडर छिड़कें और बालों में ब्रश करें. आपके बाल फ्लफी लगेंगे. बेहतर होगा कि रात को बाल धोकर सोएं.

एक नजर

फारूक़ आफ़रीदी को राष्ट्रीय अणुव्रत लेखक सम्मान

कार्यालय संवाददाता

भीलवाड़ा। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी ने भीलवाड़ा में आयोजित एक समारोह में देश के प्रतिष्ठित व्यंग्यकार, कवि, पत्रकार एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी फारूक़ आफ़रीदी को उनकी अणुव्रत के प्रति अपनी सेवाओं और साहित्यिक योगदान के लिए वर्ष-2020 का ''राष्ट्रीय अणुव्रत लेखक पुरस्कार'' प्रदान किया। आफ़रीदी ने कहा कि आचार्य श्री महाश्रमण जी ने अणुव्रत को जीवन के हर क्षेत्र से जोड़कर इसे व्यापकता दी है। अणुव्रत आन्दोलन नैतिक मूल्यों का जीवन्त दस्तावेज़ है। आज सद्भाव की परम्परा और मजबूत विरासत को खंडित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसे मिलजुल कर बनाए रखना हम सब का दायित्व है। उन्होंने कहा कि गांधी जी के अहिंसा आन्दोलन की भांति अणुव्रत आन्दोलन सदैव प्रासंगिक रहेगा। इस आन्दोलन से सभी को जुड़ना चाहिए चाहे वह किसी धर्म, सम्प्रदाय या विचार का क्यों न हो।

श्री आफरीदी को यह सम्मान उनके अणुव्रत विचार और साहित्यिक लेखन के लिए दिया गया है। ''मीनमेख'' एवं ''बुद्धि का बफर स्टॉक'' व्यंग्य कृतियां और काव्य कृति ''शब्द कभी बांझ नहीं होते'' प्रमुख हैं। इसके अलावा ''कस्तूरबा और आधी दुनिया'', राष्ट्रीय एकता पर ''हम सब एक हैं'' कहानी एवं ''सूचना का अधिकार'' जैसी कृतियों की रचना की है एवं उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों का सम्पादन किया है।प्रारंभ में अणुव्रत विश्व भारती के अध्यक्ष संचय जैन ने सभी का स्वागत किया और ललित गर्ग ने कार्यक्रम का संचालन किया।

मशहूर भोजपुरी कवि ऐनुल बरौलवी 'संत कुमार वर्मा साहित्यकार सम्मान' से सम्मानित

कार्यालय संवाददाता

गोपालगंज जिले के बरौली प्रखंड निवासी मशहूर भोजपुरी, हिंदी एवं उर्दू कवि एवं शायर ऐनुल बरौलवी सिवान में सम्मानित किए गए। भोजपुरी साहित्यकार सम्मान समारोह एवं भोजपुरी शिरोमणि अक्षयवर दीक्षित स्मृति ग्रन्थ लोकार्पण समारोह का भव्य आयोजन रविवार को सिवान के श्री भगवान पैलेस के सभागार में आयोजित किया गया था। जिसके मुख्य अतिथि गाँधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के अध्यक्ष कुमार प्रशांत थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी, पूर्व मंत्री बिहार सरकार एवं वर्तमान विधायक, सिवान थे।

कार्यक्रम में मशहूर कवि ऐनुल बरौलवी को उनके भोजपुरी साहित्यिक अवदान के लिए 'संत कुमार वर्मा साहित्यकार सम्मान' से सम्मानित किया गया। समारोह के अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी , पूर्व मंत्री बिहार सरकार एवं वर्तमान विधायक सिवान ने अपने कर-कमलों द्वारा कवि ऐनुल बरौलवी को पुष्प हार पहनाया और अंग-वस्त्र शाल तथा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। ऐनुल बरौलवी को यह सम्मान उनकी पुस्तकें - 'आँखिन भादों मास', साँच ज़िन्दगी के' एवं 'सुरुज मुट्ठी में' ग़ज़ल-संग्रहों के लिए मिला है।

धनतेरस से पहले महंगा हुआ सोना सस्ती हुई चांदी:24 कैरट 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर पहुंची 49 हजार 100 रुपए, चांदी प्रति किलो 67 हजार

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ ही सोने चांदी की कीमतों में हर दिन बदलाव हो रहा है। जयपुर सर्राफा कमेटी की ओर से जारी भाव के अनुसार शुक्रवार को जयपुर में सोना जहां 100 रुपए महंगा हुआ, जबकि चांदी 300 सस्ती हुई। इसके बाद चांदी रिफाइन 67 हजार रुपए प्रति किलो की कीमत पर पहुंच गई। वहीं 10 ग्राम 24 कैरट सोने की कीमत बढ़कर 49 हजार 100 रुपए पर आ गई है। जबकि 22 कैरेट प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत सोने की कीमत 47 हजार 100 रुपए पर पहुंच गई है।

जबकि सोना 18 कैरट 38 हजार 900 रुपए प्रति दस ग्राम और 14 कैरट 31 हजार रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चमके सोना चांदी: अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना 1,779 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। इस महीने की शुरुआत में ये 1760 डॉलर के करीब था। चांदी भी 24 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है।

रिकॉर्ड हाई से लगभग 7,000 रुपए सस्ता सोना: सोना मौजूदा मजबूती के बावजूद अपने रिकॉर्ड हाई से काफी सस्ता चल रहा है। सोना पिछले साल अगस्त में 56,200 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा था। लेकिन अभी यह 49,100 के आसपास है। ये अपने रिकॉर्ड हाई से लगभग 7,100 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ता चल रहा है।

दीवाली तक 50 हजार तक जा सकता है सोना: जयपुर के सराफा व्यापारी राकेश खंडेलवाल ने बताया की कच्चे तेल के दाम बढ़ने से पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से महंगाई भी बढ़ने लगी है। इसके अलावा फेस्टिवल सीजन में सोने की डिमांड में तेजी आएगी। इनके चलते दिवाली तक सोने के दाम 50 हजार रुपए पर पहुंच सकते हैं।

पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री गहलोत बोले...

देश-दुनिया में दिलाएं राजस्थान के पर्यटन को नई पहचान

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान किले, महल, बावड़ियों जैसी ऐतिहासिक धरोहरों के साथ ही पुरातत्व, लोकरंग एवं विविध प्राकृतिक सम्पदाओं का खजाना है। यहां कदम-कदम पर पर्यटन की संभावनाएं मौजूद हैं। ऐसे में प्रचार-प्रसार के आधुनिकतम माध्यमों से राजस्थान के पर्यटन की मजबूत ब्राण्डिंग कर यहां अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ब्राण्डिंग इस तरह हो कि पर्यटकों के मानस पटल पर राजस्थान की अमिट छवि अंकित हो जाए।

गहलोत बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पर्यटन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व मानचित्र पर पर्यटन की दृष्टि से राजस्थान का विशेष स्थान है। राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक ब्राण्डिंग एवं मार्केटिंग से यहां के पर्यटन को न केवल नई पहचान मिलेगी, बल्कि इससे जुड़े हुए उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रदेश के लाखों लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। ?से में पर्यटन गतिविधियों को व्यापक स्तर पर बढ़ाने से प्रदेश में रोजगार के बड़े अवसर उपलब्ध हो

सकेंगे और राज्य की जीडीपी में भी वृद्धि होगी। राज्य सरकार ने प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने की मंशा के साथ नई पर्यटन नीति-2020 जारी की है। साथ ही, वर्ष 2021-22 के बजट में पर्यटन विकास कोष में 500 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। इसमें आधारभूत संरचना के विकास एवं पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिए 300 करोड़ तथा टूरिस्ट डेस्टिनेशन ब्रांडिंग के लिए 200 करोड़ रूपए का बजट शामिल हैं।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान के पर्यटन को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए प्रभावी मीडिया कैंपेन चलाने के साथ ही रोड शो, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय ट्रेवल मार्ट, डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट, द ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार जैसी गतिविधियों का वृहद स्तर पर आयोजन किया जाए। डिजिटल एवं आउटडोर मीडिया, आकर्षक क्रियेटिव्स एवं लघु फिल्मों आदि के माध्यम से पर्यटन गतिविधियों को शो-केस किया जाए। उन्होंने महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों तथा मेलों-उत्सवों की भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मार्केटिंग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए पर्यटन से जुड़े विशेषज्ञों का सहयोग भी लिया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग पर्यटक स्थलों पर लपकों की समस्या को दूर करने के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित करे, ताकि देश-विदेश से आए पर्यटक सुगमता और सहजता के साथ पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर सकें और उनके साथ किसी तरह की धोखाधड़ी या ठगी नहीं हो। जो भी पर्यटक राजस्थान आए वह यहां की अच्छी छवि लेकर जाए।

संयुक्त राष्ट्र दिवस के अवसर पर भारत एवं संयुक्त राष्ट्र विषयक संगोष्ठी आयोजित

संयुक्त राष्ट्र को व्यावहारिक रूप में विश्व संघ बनाने की जरूरतः राज्यपाल

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने संयुक्त राष्ट्र को व्यावहारिक रूप में एक विश्व संघ बनाने की जरूरत बताई है। उन्होंने कहा है कि इसके लिए शांति और सद्भावना के साथ-साथ राष्ट्रों के समान रूप से विकास को गति प्रदान करने में संयुक्त राष्ट्र को सहयोगी बनना होगा। राज्यपाल मिश्र संयुक्त राष्ट्र दिवस के अवसर पर सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 'भारत एवं संयुक्त राष्ट्र' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में रविवार को यहां राजभवन से अनलाइन सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज वंचित वर्ग और कम विकसित देशों को यह विश्वास दिलाने की जरूरत है कि संयुक्त राष्ट्र उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील है। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कोविड-19 महामारी, आतंकवाद जैसी वैश्विक चुनौतियों और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते प्रतिमानों के चलते आज संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था और प्रक्रिया में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता को बनाए रखने के लिए सुरक्षा परिषद जैसे संस्थानों में आवश्यक सुधार एवं विस्तार समय की मांग है। राज्यपाल ने कहा कि विश्व भर के देशों में शान्ति, समृद्धि और सद्भावना स्थापित करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की गई थी। सभी देशों को परस्पर समझदारी, ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्य करना चाहिए।

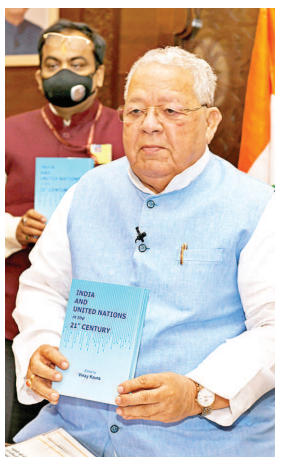

राजस्थान के 8 विधायकों को आधे उत्तराखंड की जिम्मेदारी

9 कांग्रेस नेताओं को विधानसभा चुनावों में ऑब्जर्वर बनाया, 70 में से 32 सीटों का जिम्मा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। फरवरी में होने वाले उत्तराखंड विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने राजस्थान के नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी है। राजस्थान के 8 कांग्रेस विधायकों सहित 9 नेताओं को विधानसभा चुनावों के लिए जिला ऑब्जर्वर बनाया है। 26 में से 9 जिलों के जिला ऑब्जर्वर राजस्थान के नेताओं को बनाया है।

जिला ऑब्जर्वर बनाए गए 9 नेताओं को उत्तराखंड की 70 में से 32 सीटों की जिम्मेदारी दी है। इस हिसाब से करीब आधी सीटों की जिम्मेदारी राजस्थान के विधायकों और नेताओं के जिम्मे रहेगी। दो मंत्रियों को लोकसभा ऑब्जर्वर बनाया है। इस तरह कुल 11 नेताओं को उत्तराखंड में जिम्मेदारी दी है।

कांग्रेस विधायक प्रशांत बैरवा, दानिश अबरार, इंद्राज गुर्जर, कृष्णा पूनिया, वेदप्रकाश सोलंकी, इंदिरा मीणा, चेतन डूडी, रफीक खान और पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल को विधानसभा चुनावों में जिला ऑब्जर्वर बनाया है। राज्य मंत्री भजनलाल जाटव और राजेंद्र यादव को लोकसभा चुनावों के लिए ऑब्जर्वर बनाकर दो लोकसभा सीटों की जिम्मेदारी दी है।

ज्योति खंडेलवाल और मंत्री भजनलाल जाटव को हरीश रावत के क्षेत्र का जिम्मा: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री रह चुके वरिष्ठ नेता हरीश रावत के क्षेत्र हरिद्वार में मंत्री भजनलाल जाटव को लोकसभा चुनावों के लिए हरिद्वार लोकसभा सीट के ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी दी गई है। विधानसभा चुनाव में हरिद्वार शहर के ऑब्जर्वर पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल को बनाया है।

विधानसभा की टिकटों से लेकर चुनाव लड़वाने तक की जिम्मेदारी: कांग्रेस के जिन विधायकों को जिला ऑब्जर्वर बनाया है, उन्हें विधानसभा चुनाव के टिकट के लिए उम्मीदवारों के लिए रायशुमारी करने, फील्ड में चुनाव लड़वाने तक की पूरी जिम्मेदारी रहेगी। जिला ऑब्जर्वर जिले में आने वाली विधानसभा सीटों की पूरी चुनावी रणनीति बनाएंगे। इन नेताओं को प्रदेश प्रभारी और बाकी नेताओं के साथ कॉर्डिनेशन का जिम्मा भी रहेगा।

चिकित्सा एवं जनसम्पर्क मंत्री ने किया 235 करोड़ 86 लाख के 183 विकास कार्यों का लोकापर्ण एवं शिलान्यास

जयपुर। चिकित्सा एवं जनसम्पर्क मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने सोमवार को अजमेर जिले की केकड़ी तहसील में क्षेत्रवासियों को विकास कार्यों की बड़ी सौगात देते हुए 235 करोड़ 86 लाख के 183 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केकड़ी के सवांर्गीण विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर काम कर रही है। केकड़ी में चिकित्सा, सड़क, पानी और बिजली सहित प्रत्येक मूलभूत सुविधा का विकास किया जा रहा है।

चिकित्सा एवं जनसम्पर्क मंत्री डॉ.रघु शर्मा सोमवार को केकड़ी विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर थे। मुख्य कार्यक्रम राजकीय जिला चिकित्सालय केकड़ी में आयोजित हुआ। चिकित्सा मंत्री ने 226.5 करोड़ रूपये के 51 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इसके साथ ही 9 करोड़ 80 लाख के 132 विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि केकड़ी की भौगोलिक दूरियां चिकित्सा सुविधाओं वाले शहरों से काफी अधिक है।

इसीलिए इस क्षेत्र को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता आरंभ से रही है। इन्हें दूर करने के लिए लगातार प्रयास किया गया। इसी का परिणाम है कि केकड़ी का चिकित्सालय 30 पलंग का था। इसे अपग्रेड करके जिला चिकित्सालय बनाया गया। यहां

300 पलंगों की सुविधाओं का विस्तार किया गया। इसके साथ साथ आईसीयू बेड, ऑपरेशन थिएटर, ब्लड बैंक, हीमोडायलिसिस, वृद्धावस्था वार्ड तथा फिजियोथेरेपी की सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई गई। इस प्रकार की आधुनिक सुविधाएं मिलने से निवासियों के स्वास्थ्य में बदलाव आएगा। इस चिकित्सालय में ब्लड सेपरेशन मशीन की स्थापना करने के लिए प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज चिकित्सालय में मातृ एवं शिशु केयर यूनिट का शिलान्यास किया गया। इस पर 33 करोड 96 लाख की लागत आएगी। इसके तैयार होने से 100 पलंगों का नवीन मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग स्थानीय निवासियों के लिए उपलब्ध हो पाएगी। मुख्य भवन 12327 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बनेगा। यह दो मंजिला भवन होगा। इस भवन में ऑक्सीजन प्लांट, गैस पाइपलाइन, फायर फाइटिंग सिस्टम, एयर कंडीशनर, दो लिफ्ट, सीसीटीवी कैमरा तथा ईपीबीएक्स की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

राजस्थान में सबसे ठंडा माउंट आबू

9.5 डिग्री तापमान, 2 दिन बाद प्रदेश में बढ़ेगी सर्दी, बीकानेर और शेखावाटी में 4 डिग्री तक गिरेगा पारा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर/माउंट आबू। उत्तर भारत के बारालाचा दर्रे पर हुई बर्फबारी के बाद हिल स्टेशन माउंट आबू में सुबह और शाम में ठंड का एहसास होने लगा है। आज सोमवार को न्यूनतम पारा 9.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 24 डिग्री रहा। रविवार के मुकाबले अधिकतम तापमान में 2 डिग्री और न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री की गिरावट आई है।

माउंट आबू में अक्टूबर महीने में तापमान पहली बार 9.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा है। इससे पहले साल 2017 में अक्टूबर महीने में 9.4 न्यूनतम और 20 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत में हुई बर्फबारी और राजस्थान में नमी कम होने के साथ उत्तरी पश्चिमी हवा शुरू हो चुकी है, जिससे मौसम में ठिठुरन बढ़ गई

है। माउंट आबू में सोमवार सुबह वादियों में कोहरा छाया रहा।

वहीं ठिठुरन बढ़ने के कारण पहुंच रहे सैलानियों के साथ स्थानीय लोग भी सवेरे गर्म कपड़ों में नजर आए। इधर, पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के जाने के बाद आज से प्रदेश का मौसम साफ हो गया। अगले 4-5 दिन प्रदेश में मौसम पूरी तरह साफ रहेगा। हालांकि प्रदेश के दूसरे जिलों में सर्दी का असर 2 से 3 दिन में तेज होगा। जयपुर मौसम विभाग के वैज्ञानिक हिमांशु शर्मा की माने तो उत्तर भारत से नॉर्दन हवा की दिशा अब दक्षिण की तरफ होने लगी है, लेकिन अगले 2-3 दिन में जैस-जैसे हवा आगे बढ़ेगी। सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, अलवर, भरतपुर समेत राज्य के अन्य जिलों में तापमान गिरने लगेगा। यहां 3-4 डिग्री तक गिरावट देखने को मिलेगी।

वहीं श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, अलवर, भरतपुर बेल्ट में कहीं-कहीं सुबह हल्का कोहरा भी देखने को मिल सकता है। हालांकि दिन के तापमान में कोई खास गिरावट नहीं होगी और गर्मी का मामूली असर बना रहेगा। सुबह और रात में सर्दी तापमान में गिरावट से सर्दी का असर बढ़ेगा।

सीकर में पारा 15 डिग्री तक पहुंचा

राज्य में बीती रात सबसे सर्द रात सीकर जिले में रही, जहां न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। सीकर के अलावा चूरू, पिलानी में भी तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के आस-पास दर्ज हुआ। वहीं बाड़मेर और जोधपुर में रात का तापमान 21 डिग्री के आस-पास रहा। शेष सभी जिलों में न्यूनतम तापमान 20 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**